



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 823]

No. 823]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 28, 2006/श्रावण 6, 1928

NEW DELHI, FRIDAY, JULY 28, 2006/SRAVANA 6, 1928

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 जुलाई, 2006

बैंक सावधि जमा स्कीम, 2006

का.आ. 1220(अ).—केन्द्रीय सरकार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80ग की उप-धारा (2) के खण्ड (xxi) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित स्कीम बनाती है, अर्थात् :-

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ.—(1) इस स्कीम का संक्षिप्त नाम बैंक सावधि जमा स्कीम, 2006 है।

(2) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगी।

2. परिभाषाएं.—(1) इस स्कीम में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो :-

(क) “अधिनियम” से, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) अभिप्रेत है;

(ख) “निर्धारिती” से निम्नलिखित अभिप्रेत है :-

(i) कोई व्यक्ति; या

(ii) कोई हिंदू अविभक्त कुटुंब;

(ग) “प्ररूप” से किसी अनुसूचित बैंक द्वारा यथाविहित कोई प्ररूप अभिप्रेत है;

(घ) “विनिधान” से इस स्कीम के अनुसार किसी निर्धारिती द्वारा किसी अनुसूचित बैंक के सावधि जमा में कोई विनिधान अभिप्रेत है;

(ङ) “अनुसूचित बैंक” से अभिप्रेत है भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 (1955 का 23) के अधीन गठित भारतीय स्टेट बैंक या भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 (1959 का 38) में यथापरिभाषित कोई समनुषंगी बैंक या बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन और अंतरण) अधिनियम, 1970 (1970 का 5) की धारा 3 के अधीन गठित तत्समान कोई नया बैंक या बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन और अंतरण) अधिनियम, 1980 (1980 का 40) की धारा 3 के अधीन या कोई अन्य बैंक जो भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की दूसरी अनुसूची में एक बैंक के रूप में सम्मिलित है;

- (च) "सावधि जमा" से कोई ऐसा जमा अभिप्रेत है जो किसी अनुसूचित बैंक में किसी ऐसी नियत अवधि के लिए है जो पांच वर्ष से कम नहीं है ;
- (छ) "वर्ष" से अप्रैल मास के प्रथम दिन से प्रारम्भ होने वाला वर्ष अभिप्रेत है ;
- (2) उन शब्दों और पदों के, जो इसमें प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अधिनियम में हैं।
3. **विनिधान.**—(1) कोई निर्धारिती, किसी अनुसूचित बैंक के सावधि जमा में कोई ऐसी रकम, जो एक वर्ष में एक लाख रुपए से अनधिक है, विनिधान कर सकता है।
- (2) किसी अनुसूचित बैंक के सावधि जमा में विनिधान की जाने वाली रकम कम से कम एक सौ रुपए या उसके गुणित की होगी।
4. **सावधि जमा के प्रकार.**—(1) सावधि जमा, निम्नलिखित प्रकार का होगा, अर्थात् :—
- (क) एकल धारक प्रकार जमा ;
- (ख) संयुक्त धारक प्रकार जमा ;
- (2) (क) एकल धारक प्रकार जमा रसीद किसी व्यक्ति को स्वयं के लिए या किसी हिंदु अविभक्त कुटुंब के कर्ता की हैसियत में जारी की जाएगी ;
- (ख) संयुक्त धारक प्रकार जमा रसीद, दो वयस्कों को संयुक्त रूप से या एक वयस्क और एक अवयस्क को संयुक्त रूप से और या तो धारकों को या उत्तरजीवी को संदेय, जारी की जा सकेगी :
- परंतु संयुक्त धारक प्रकार जमा के मामले में, अधिनियम की धारा 80ग के अधीन आय से कटौती केवल जमा के प्रथम धारक को ही प्राप्य होगी।
5. **नामांकन.**—(1) पैराग्राफ 4 के उपबंधों के अधीन रहते हुए किसी सावधि जमा के एकल धारक या संयुक्त धारकों द्वारा सावधि जमा करते समय विहित प्ररूप में आवश्यक विशिष्टियां भरने पर किसी व्यक्ति को नामांकित किया जाए जो, यथास्थिति, एकल धारक या संयुक्त धारकों दोनों की मृत्यु की दशा में, जमा करने के लिए और उस पर देय संदाय के लिए हकदार होगा। यदि ऐसा नामांकन, सावधि जमा करते समय नहीं किया गया है तो इसको, यथास्थिति, एकल धारक, संयुक्त धारकों या उत्तरजीवी संयुक्त धारकों द्वारा, सावधि जमा रसीद जारी किए जाने के पश्चात् किसी समय, किंतु इसकी परिपक्वता से पूर्व, उस बैंक की शाखा के, जिससे सावधि जमा रसीद जारी की गई थी, प्रभारी अधिकारी को विहित प्ररूप में एक आवेदन के द्वारा किया जा सकेगा।
- (2) किसी अवस्यक के द्वारा या उसकी ओर से धृत किसी सावधिक जमा के संबंध में कोई नामांकन नहीं किया जाएगा।
6. **सावधिक जमा में विनिधान की प्रक्रिया.**—किसी सावधिक जमा में विनिधान की वांछा करने वाला कोई निर्धारिती, किसी अनुसूचित बैंक की किसी शाखा में, विहित प्ररूप में एक आवेदन प्रस्तुत करेगा।
7. **सावधिक जमा रसीद जारी करना.**—(1) संदाय की प्राप्ति पर निर्धारिती को बैंक सावधि जमा रसीद जारी करेगा।
- (2) सावधि जमा रसीद में निर्धारिती का नाम, पता, स्थायी लेखा संख्यांक और हस्ताक्षर के साथ-साथ अन्य विशिष्टियां होंगी जिन्हें अनुसूचित बैंक विनिर्दिष्ट करे।
8. **अनुसूचित बैंक की एक शाखा से दूसरी शाखा को अंतरण.**—(1) किसी सावधि जमा को अनुसूचित बैंक की एक शाखा से, जिसने उसे जारी किया था उक्त बैंक की किसी अन्य शाखा को निर्धारिती द्वारा दोनों शाखाओं में से किसी एक शाखा में आवेदन करने पर अंतरित किया जा सकेगा :
- परंतु यह कि एक अनुसूचित बैंक से दूसरे अनुसूचित बैंक को किसी सावधि जमा का अंतरण नहीं किया जाएगा।
- (2) ऐसे प्रत्येक आवेदन पर सावधि जमा रसीद धारक द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे :
- परंतु संयुक्त जमा धारक की दशा में आवेदन पर संयुक्त धारकों में से एक के द्वारा, यदि दूसरे की मृत्यु हो गई है तो, हस्ताक्षर किए जा सकेंगे।
9. **सावधि जमा को गिरवी रखना.**—सावधि जमा को कोई ऋण लेने के लिए या किसी अन्य आस्ति के लिए प्रतिभूति के रूप में गिरवी नहीं रखा जाएगा।
10. **खो गई या नष्ट हो गई सावधि जमा रसीदों का प्रतिस्थापन.**—(1) यदि कोई सावधि जमा रसीद खो गई है, चोरी हो गई है, नष्ट हो गई है, विकृत हो गई है या विरूपित हो गई है तो उसका हकदार व्यक्ति उस अनुसूचित बैंक की शाखा को जिससे रसीद जारी की गई थी, रसीद की दूसरी प्रति जारी करने के लिए आवेदन कर सकेगा।

- (2) ऐसे प्रत्येक आवेदन के साथ उन विशिष्टियों को जैसे रसीद का संख्यांक, रकम और तारीख दर्शित करते हुए और उन परिस्थितियों को दर्शित करते हुए जिनके कारण ऐसा नुकसान चोरी, विकृति या विरूपण हुआ है एक विवरण होगा।
- (3) यदि बैंक के प्रभारी अधिकारी का किसी प्रमाणपत्र के नुकसान, चोरी, विनाश, विकृति या विरूपण का समाधान हो जाता है, तो वह आवेदक द्वारा विहित प्ररूप में एक या अधिक अनुमोदित प्रतिभूतियों या बैंक प्रत्याभूति के साथ क्षतिपूर्ति बंधपत्र प्रस्तुत करने पर रसीद की दूसरी प्रति जारी करेगा :

परन्तु यह कि जहां पर खो गए, चोरी हो गए, नष्ट हो गए, विकृत हो गए या विरूपित हो गए प्रमाणपत्र या प्रमाणपत्रों का अंकित मूल्य या कुल अंकित मूल्य पांच सौ रुपए या उससे कम है तो आवेदक को रसीद की दूसरी प्रति ऐसी प्रतिभूति या प्रत्याभूति के बिना ही क्षतिपूर्ति बंधपत्र प्रस्तुत करने पर जारी की जा सकेगी :

परन्तु यह और कि जहां ऐसा आवेदन ऐसी विकृत या विरूपित रसीद के संबंध में किया गया है चाहे उसका अंकित मूल्य कुछ भी हो, रसीद की दूसरी प्रति, किसी क्षतिपूर्ति बंधपत्र, प्रतिभूति या प्रत्याभूति के बिना जारी की जा सकेगी यदि विकृत या विरूपित रसीद अभ्यर्पित की गई है और रसीद की पहचान मूल रूप से जारी की गई रसीद के रूप में की जा सके।

- (4) उप-पैरा (3) के अधीन जारी की गई रसीद की दूसरी प्रति को इस स्कीम के सभी प्रयोजनों के लिए सिवाय इसके कि उसे बैंक की उस शाखा से जिसने उस रसीद को जारी किया था, से भिन्न बैंक की किसी दूसरी शाखा में पूर्व सत्यापन के बिना भुनाया नहीं जा सकेगा, मूल रसीद के समतुल्य माना जाएगा।

11. **परिपक्वता पर भुनाना.**—(1) किसी भी अंकित मूल्य की सावधि जमा रसीद की परिपक्वता अवधि रसीद की तारीख से प्रारंभ होकर पांच वर्ष के लिए होगी।

- (2) किसी भी सावधि जमा को उसकी रसीद की तारीख से पांच वर्ष की अवधि के अवसान से पहले नहीं भुनाया जाएगा।

12. **ब्याज की दर.**—(1) सावधि जमा पर ब्याज की दर अनुसूचित बैंक द्वारा समय-समय पर नियत दर के अनुसार होगी।

- (2) ब्याज का परिपक्वता के समय पर एक मुश्त राशि के रूप में संदाय किया जा सकेगा या इसका संदाय सावधि जमा पर ब्याज के संदाय के लिए विनियामक दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रत्येक तिमाही या प्रत्येक मास में किया जा सकेगा।

- (3) जहां, कोई ब्याज किसी अनुसूचित बैंक द्वारा परिपक्वता के समय एक मुश्त राशि के रूप में संदाय की जाती है वहां सावधि जमा रसीद पर सावधि जमा पर वार्षिक ब्याज की दर होगी।

13. **नामांकन का अधिकार.**—(1) किसी सावधि जमा के धारक की मृत्यु की दशा में, जिसके संबंध में नामांकन प्रवृत्त हैं नामनिर्देशिती सावधि जमा की परिपक्वता की अवधि से पहले या उसके पश्चात् सावधि जमा को भुनाने के हकदार होगा या होंगे।

- (2) उप-पैरा (1) के प्रयोजन के लिए उत्तरजीवी नामनिर्देशिती, बैंक के शाखा प्रबंधक को एक आवेदन करेंगे जिसके समर्थन में यह धारक की मृत्यु का और मृत नामनिर्देशिती या नामनिर्देशितियों की, यदि कोई हो, तो मृत्यु का सबूत लगाएंगे।

- (3) यदि एक से अधिक नामनिर्देशिती हो तो भुगतान प्राप्त करते समय सभी नामनिर्देशिती रसीद का संयुक्त उन्मोचन देंगे।

14. **विधिक वारिसों को संदाय.**—यदि किसी सावधि जमा के धारक की मृत्यु हो जाती है और उसकी मृत्यु के समय कोई नामांकन प्रवृत्त नहीं है, तो बैंक की उस शाखा का प्रबंधक जहां से सावधि जमा जारी किया गया था उसके विधिक वारिसों को, मृतक को शोध्य राशि का संदाय करेगा।

15. **आयकर.**—(1) इन सावधि जमाओं पर ब्याज, अधिनियम के अधीन, निर्धारिती द्वारा अनुसरित लेखा पद्धति पर आधारित वार्षिक प्रोदभूत या प्राप्ति के आधार पर कर के लिए दायी होगी।

- (2) ऐसे ब्याज पर, अधिनियम की धारा 194क या धारा 195 के उपबंधों के अनुसार कटौती की जाएगी।

16. **शिथिल करने की शक्ति.**—जहां पर केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि इस स्कीम के किसी उपबंध का प्रचालन निर्धारितों को असम्यक् कठिनाई कारित कर रहा है तो वह लिखित में कारणों को अभिलिखित करते हुए, उस उपबंध की अपेक्षाओं को इस प्रकार शिथिल कर सकेगी जो अधिनियम के उपबंधों से असंगत न हो।

[अधिसूचना सं. 203/2006/फा. सं. 142/26/2006—टीपीएल]

शोभन कर, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE**(Department of Revenue)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 28th July, 2006

Bank Term Deposit Scheme, 2006

S.O. 1220(E).— In exercise of the powers conferred by clause (xxi) of Sub-section (2) of Section 80C of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby makes the following scheme, namely :—

1. **Short title and commencement.**— (1) This scheme may be called the Bank Term Deposit Scheme, 2006.
 (2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.
2. **Definitions.**— (1) In this scheme, unless the context otherwise requires,
 - (a) “Act” means the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961);
 - (b) “assessee” means—
 - (i) an individual; or
 - (ii) a Hindu undivided family;
 - (c) “form” means a form as prescribed by the scheduled bank;
 - (d) “investment” means an investment in the term deposit of a scheduled bank by an assessee in accordance with this scheme;
 - (e) “scheduled bank” means the State Bank of India constituted under the State Bank of India Act, 1955 (23 of 1955), or a subsidiary bank as defined in the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959 (38 of 1959), or a corresponding new bank constituted under section 3 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 (5 of 1970), or under section 3 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1980 (40 of 1980), or any other bank, being a bank included in the Second Schedule to the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934);
 - (f) “term deposit” means a deposit with a scheduled bank for a fixed period of not less than five years;
 - (g) “year” means a year commencing on the 1st day of April.
 (2) Words and expressions used herein and not defined shall have the meanings respectively, assigned to them in the Act. —
3. **Investment.**— (1) An assessee can invest in the term deposit of a scheduled bank any amount not exceeding one lakh rupees in a year.
 (2) The amount to be invested in the term deposit of a scheduled bank shall be a minimum of one hundred rupees or multiples thereof.
4. **Types of term deposit.**— (1) Term deposit shall be of following types, namely :—
 - (a) Single holder type deposits;
 - (b) Joint holder type deposits;
 (2)
 - (a) The single holder type deposit receipt shall be issued to an individual for himself or in the capacity of the Karta of the Hindu undivided family;
 - (b) The joint holder type deposit receipt may be issued jointly to two adults or jointly to an adult and a minor, and payable to either of the holders or to the survivor :

Provided that in the case of joint holder type deposit, the deduction from income under section 80C of the Act shall be available only to the first holder of the deposit.
5. **Nomination.**— (1) Subject to the provisions of paragraph 4, the single holder or the joint holders of a term deposit may, by filling in necessary particulars in the prescribed form at the time of making the term deposit, nominate any person who, in the event of death of the single holder or both the joint holders, as the case may be, shall become

entitled to the deposit and to the payment due thereon. If such nomination is not made at the time of making the term deposit, it may be made by the single holder, the joint holders or the surviving joint holder, as the case may be, at any time after the term deposit receipt is issued, but before its maturity, by means of an application in the prescribed form to the officer in charge of the branch of the bank from which the term deposit receipt was issued.

(2) No nomination shall be made in respect of a term deposit applied for and held by or on behalf of a minor.

6. **Procedure for investment in term deposit.**—An assessee desiring to invest in term deposit, shall present at any branch of a scheduled bank, an application in the prescribed form.

7. **Issue of term deposit receipt.**—(1) The bank shall issue a term deposit receipt to an assessee on receipt of payment.

(2) The term deposit receipt shall bear the name, address, Permanent Account Number and signature of the assessee, along with any other particulars which the scheduled bank may specify.

8. **Transfer from one branch of the scheduled bank to another.**—(1) A term deposit may be transferred from one branch of the scheduled bank from which it has been issued, to any other branch of the said bank, on the assessee making an application, at either of the two branches :

Provided that no term deposit shall be transferred from one scheduled bank to another scheduled bank.

(2) Every such application shall be signed by the holder of the term deposit receipt :

Provided that in the case of joint holder type deposit, the application may be signed by one of the joint holders if the other is dead.

9. **Pledging of term deposit.**—The term deposit shall not be pledged to secure loan or as security to any other asset.

10. **Replacement of lost or destroyed term deposit receipts :—**

(1) If a term deposit receipt is lost, stolen, destroyed, mutilated or defaced, the person entitled thereto may apply for the issue of a duplicate receipt to the branch of the scheduled bank from where the receipt was issued.

(2) Every such application shall be accompanied by a statement showing particulars, such as number, amount and date of the receipt, and the circumstance attending such loss, theft, destruction, mutilation or defacement.

(3) If the officer in charge of the bank is satisfied of the loss, theft, destruction, mutilation or defacement of the certificate, he shall issue a duplicate receipt on the applicant furnishing an indemnity bond in the prescribed form with one or more approved sureties or with a bank guarantee :

Provided that where the face value or the aggregate face value of the certificate or certificates lost, stolen, destroyed, mutilated or defaced is five hundred rupees or less, a duplicate receipt or receipts may be issued on the applicant furnishing an indemnity bond without any such surety or guarantee :

Provided further that where such application is made with respect to a receipt mutilated or defaced, of whatever face value, a duplicate receipt may be issued without any such indemnity bond, surety or guarantee, if the receipt mutilated or defaced is surrendered and the receipt is capable of being identified as the one originally issued.

(4) A duplicate receipt issued under sub-paragraph (3) shall be treated as equivalent to the original receipt for all the purposes of this scheme except that it shall not be encashable at a branch of the bank other than the branch at which such receipt is issued without previous verification.

11. **Encashment on maturity.**—(1) The maturity period of a term deposit receipt of any denomination shall be five years commencing from the date of the receipt.

(2) No term deposit shall be encashed before the expiry of five years from the date of its receipt.

12. **Rate of interest.**—(1) The rate of interest on the term deposit shall be in accordance with the rate fixed by the scheduled bank from time to time.

(2) The interest may be paid either in lump sum at the time of maturity or it may be paid every quarter or every month in accordance with the regulatory guidelines for payment of interest on the term deposit.

(3) Where the interest is paid by the scheduled bank in lump sum at the time of maturity, the term deposit receipt shall bear the yearly rate of interest on the term deposit.

13. **Right of nominees.**—(1) In the event of the death of the holder of a term deposit in respect of which a nomination is in force, the nominee or nominees shall be entitled at any time before or after the maturity of the term deposit to encash the term deposit.
- (2) For the purpose of sub-paragraph (1), the surviving nominee or nominees shall make an application to the branch manager of the bank, supported by proof of death of the holder and of deceased nominee or nominees, if any.
- (3) If there are more nominees than one, all the nominees shall give a joint discharge of the receipt at the time of receiving the payment.
14. **Payment to legal heirs.**— If a holder of a term deposit dies and there is no nomination in force at the time of his death, manager of the branch of bank from where the term deposit was issued, shall pay the sum due to the deceased, to his legal heirs.
15. **Income tax.**—(1) Interest on these term deposits shall be liable to tax under the Act, on the basis of annual accrual or receipt, depending upon the method of accounting followed by the assessee.
- (2) The tax on such interest shall be deducted in accordance with the provisions of section 194A or section 195 of the Act.
16. **Power to relax.**— Where the Central Government is satisfied that the operation of any of the provisions of this scheme causes undue hardship to the assessee, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax the requirements of that provision in a manner not inconsistent with the provisions of the Act.

[Notification No. 203/2006/F. No. 142/26/2006-TPL]

SOBHAN KAR, Under Secy.